GSTIN : 23AADCM5913E1ZV
CIN No. L24121RJ1997PLC029126
www.mbapl.com
accounts@mbapl.com

OSTWAL

MADHYA BHARAT AGRO PRODUCTS LIMITED

(An ISO 9001:2015 Certified Company)

Date: 15.07.2026

To,

National Stock Exchange of India Ltd.

Exchange Plaza, C-1, Block G,
Bandra Kurla Complex,
Bandra (E)
Mumbai – 400 051

Dear Sir / Madam

Sub: Submission of Newspaper Cutting for publishing of Unaudited Financial Results for Quarter ended on 30th June 2026

Please find enclosed herewith extract of newspaper advertisement published for Declaration of Unaudited Financial Results for quarter ended on 30th June 2026 of the Company, approved in Board of Directors meeting held on Tuesday the 14th July, 2026, published in three newspapers viz. The Financial Express (English Edition) on 15th July, 2026, Nafa Nuksan (Hindi Edition) on 15th July, 2026 and Business Remedies (Hindi Edition) on 15th July, 2026 in terms of Regulation 47 of SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015.

This is for your information and record.

For Madhya Bharat Agro Products Limited

PALLAVI SUKHWAL
Digitally signed by PALLAVI SUKHWAL
Date: 2026.07.15 11:32:37 +05'30'

(Pallavi Sukhwal)
Company Secretary
M No.-A43744

नाबार्ड और एनएसडीसी ने ग्रामीण उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के लिए 'ग्रामोदयम' कार्यक्रम शुरू किया

मुंबई | बिज़नेस रेमेडीज

ग्रामीण समृद्धि को बढ़ावा देना हमेशा से नाबार्ड के विज़न और विकासात्मक दायित्व का मूल आधार रहा है। नाबार्ड के 45वें स्थापना दिवस के अवसर पर ग्रामीण भारत की उद्यमशील क्षमता को नई दिशा देने के उद्देश्य से तैयार किए गए परिवर्तनकारी उद्यमिता विकास कार्यक्रम 'ग्रामोदयम' का शुभारंभ नाबार्ड के अध्यक्ष डॉ. शाजी के. वी. ने किया।

यह पहल कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) के सहयोग से लागू की जा रही है। यह ग्रामीण उद्यमिता के लिए एक सशक्त और जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस कार्यक्रम का क्रियान्वयन इंस्टीट्यूट फॉर इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट (आईआईडी) के माध्यम से किया जाएगा।

'ग्रामोदयम' ग्रामीण भारत के युवाओं को समर्पित एक विशेष पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आकांक्षी उद्यमियों की पहचान करना, उनका मार्गदर्शन करना, उन्हें आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान करना तथा उन्हें सशक्त बनाना है। इसके तहत उन्हें उद्योग की आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल, उद्यमिता संबंधी दक्षताएं और आवश्यक सहयोग तंत्र तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी। युवा नवाचारकर्ताओं को उनके विचारों को व्यवहार्य उद्यमों में परिवर्तित करने में सक्षम बनाकर 'ग्रामोदयम' का लक्ष्य स्थानीय अवसरों को सतत आर्थिक विकास और रोजगार सृजन के सशक्त माध्यमों में बदलना है।

यह कार्यक्रम डिजिटल-प्रथम (डिजिटल-फर्स्ट) हाइब्रिड कार्यान्वयन मॉडल पर आधारित है, ताकि देश के सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों तक समान रूप से इसकी पहुंच सुनिश्चित की जा सके। डिजिटल प्लेटफॉर्म, सोशल मीडिया सहभागिता, सामुदायिक संपर्क तथा जमीनी स्तर पर जनसंपर्क अभियानों के माध्यम से इच्छुक उद्यमियों का पंजीकरण किया जाएगा और उन्हें उद्यमिता की एक सुव्यवस्थित यात्रा के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

इस यात्रा में मनोवैज्ञानिक आकलन, परामर्श, उद्यमिता विकास प्रशिक्षण, उद्योग/व्यवसाय-विशिष्ट प्रशिक्षण, मेंटरशिप तथा उद्यम स्थापना संबंधी सहयोग शामिल होगा। इससे प्रतिभागियों को विचार की परिकल्पना (आइडिएशन) से लेकर सफल उद्यम की स्थापना तक प्रत्येक चरण में समग्र मार्गदर्शन और सहायता प्राप्त होगी। पारंपरिक कौशल विकास से आगे बढ़ते हुए, 'ग्रामोदयम' एक समग्र सहयोग ढांचा प्रदान करता है, जिसमें व्यावसायिक अवसरों की पहचान, व्यवसाय योजना तैयार करना, उद्यम प्रबंधन प्रशिक्षण, ऋण सुविधा, बाज़ार से जुड़ाव, मेंटरशिप तथा उद्यम की स्थापना के बाद भी निरंतर मार्गदर्शन और सहयोग (हैंडहोल्डिंग) शामिल है।

यह कार्यक्रम केवल स्वरोज़गार के अवसर सृजित करने तक सीमित नहीं है, बल्कि सतत उद्यम विकास के माध्यम से स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन और सामुदायिक विकास को गति देने के लिए भी तैयार किया गया है। इस प्रकार, यह समावेशी और सुदृढ़ ग्रामीण आर्थिक विकास को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण योगदान देगा। कार्यक्रम के अंतर्गत पंजीकृत सभी लाभार्थियों का एनएसडीसी के माध्यम से ई-केवाईसी सत्यापन किया जाएगा, जिससे लाभार्थियों की भागीदारी में पारदर्शिता और प्रामाणिकता सुनिश्चित होगी। पायलट चरण के दौरान 'ग्रामोदयम' का लक्ष्य एक विस्तारयोग्य (स्केलेबल) और चरणबद्ध कार्यान्वयन तंत्र के माध्यम से तीन वर्षों की अवधि में लगभग 4,000 ग्रामीण उद्यमियों को तैयार करने और उन्हें समर्थन प्रदान करने का है।

'ग्रामोदयम' की एक प्रमुख विशेषता इसका समग्र ऋण सुविधा (एंड-टू-एंड क्रेडिट फैसिलिटेशन) ढांचा है। कार्यक्रम के प्रतिभागियों को बैंक ऋण के लिए उपयुक्त विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने में विशेषज्ञ सहायता प्रदान की जाएगी। साथ ही, उन्हें नाबार्ड समर्थित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) तथा अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण सहायता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संपर्क और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के तहत डिजिटल ऋण आवेदन में सहायता तथा संबंधित सरकारी योजनाओं और प्रोत्साहनों के बारे में मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। इससे औपचारिक वित्तीय सेवाओं तक पहुंच बेहतर होगी और नए उद्यम स्थापित करने में आने वाली वित्तीय बाधाओं को कम करने में मदद मिलेगी।

नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों की शुरुआत, पहली उड़ान अबू धाबी के लिए

मुंबई | बिज़नेस रेमेडीज

भारत के सबसे बड़े निजी हवाई अड्डा संचालक अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड ने घोषणा की है कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का शुभारंभ किया जा रहा है। इसके तहत एयर इंडिया एक्सप्रेस 15 जुलाई 2026 से नवी मुंबई और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की राजधानी अबू धाबी के बीच सप्ताह में तीन दिन सीधी उड़ानें संचालित करेगी।

यह सेवा घरेलू उड़ानों की शुरुआत (25 दिसंबर 2025) के 200 दिनों से भी कम समय में NMIA के अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की शुरुआत का प्रतीक है। इसके साथ ही AAHL के सभी हवाई अड्डे अब अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क से जुड़ गए हैं। यह भारत के सबसे नए ग्रीनफील्ड अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के तेज़ी से विकास को दर्शाता है तथा मुंबई महानगर क्षेत्र (MMR) की हवाई संपर्क व्यवस्था को और मजबूत बनाता है। नई उड़ान सेवा यात्रियों को पश्चिम एशिया स्थित यूएई तक सुविधाजनक सीधी यात्रा का विकल्प प्रदान करेगी। यह उपलब्धि विभिन्न सरकारी एजेंसियों, विमानन नियामकों, एयरलाइन साझेदारों और हवाई अड्डा हितधारकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने NMIA को MMR के दूसरे वैश्विक प्रवेश द्वार के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अडानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अरुण बंसलने कहा, 'हमारी पहली नियमित अंतरराष्ट्रीय उड़ान का शुभारंभ नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की विकास यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत है। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि में सहयोग देने के लिए हम केंद्र और राज्य सरकार की सभी एजेंसियों तथा सभी हितधारकों के आभारी हैं। उन्होंने आगे कहा कि इस पहले अंतरराष्ट्रीय मार्ग के लिए एयर इंडिया एक्सप्रेस के साथ साझेदारी हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। एयर इंडिया एक्सप्रेसके अध्यक्ष निपुण अग्रवाल ने कहा, कि हमें नवी मुंबई से अबू धाबी के लिए सीधी अंतरराष्ट्रीय उड़ान शुरू करते हुए खुशी हो रही है। इससे मुंबई महानगर क्षेत्र के यात्रियों को यूएई जाने के लिए एक नया और सुविधाजनक विकल्प मिलेगा। नवी मुंबई हमारी दोहरे हवाई अड्डा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यह छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नेटवर्क को मजबूत करेगा।

निवेशकों एवं आम जनता के लिए सावधानी सूचना

मुंबई | बिज़नेस रेमेडीज

एक्सचेंज के संज्ञान में यह बात आई है कि जयपुर (राजस्थान) एवं उसके आसपास कुछ असामाजिक/धोखाधड़ी करने वाले व्यक्ति या संस्थाएँ भारतीय एवं अंतरराष्ट्रीय मोबाइल नंबरों, वेबसाइटों, मोबाइल एप्लिकेशन तथा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म जैसे WhatsApp, Telegram, Facebook, Instagram आदि के माध्यम से मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (MCX) के ब्रांड नाम का दुरुपयोग कर रही हैं।

ऐसे व्यक्ति/संस्थाओं की गतिविधियों में निम्नलिखित शामिल हो सकती हैं:

प्रतिष्ठित संस्थाओं या व्यक्तियों से जुड़े होने का झूठा दावा करना।

अनियमित ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म एवं अनधिकृत ट्रेडिंग एप्लिकेशन उपलब्ध कराना।

निवेश पर निश्चित या गारंटीड रिटर्न का लालच देना।

सोशल मीडिया उपयोगकर्ताओं को ग्रुप में जोड़कर शीघ्र धन कमाने या गारंटीड लाभ का वादा करना।

अप्रमाणित लिंक या तृतीय-पक्ष एप्लिकेशन के माध्यम से धन भेजने के लिए कहना, जो भ्रामक या फर्जी हो सकते हैं।

स्वयं को MCX का कर्मचारी बताना या MCX से संबद्ध/सहयोगी होने का झूठा दावा करना।

यह स्पष्ट किया जाता है कि MCX का ऐसे किसी भी व्यक्ति या संस्था से कोई संबंध नहीं है। साथ ही, उक्त संस्थाएँ न तो एक्सचेंज की पंजीकृत सदस्य हैं और न ही एक्सचेंज के किसी सदस्य की अधिकृत प्रतिनिधि हैं।

निवेशकों को सावधान किया जाता है कि वे कमोडिटी डेरिवेटिव्स बाजार में ऐसे अवैध ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म पर किसी भी प्रकार का व्यापार न करें, क्योंकि यह कानूनन प्रतिबंधित है। ऐसे अवैध प्लेटफॉर्म पर भागीदारी करना निवेशक के अपने जोखिम, खर्च एवं परिणामों पर निर्भर होगा, क्योंकि ये प्लेटफॉर्म भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड द्वारा विनियमित नहीं हैं।

निवेशकों को यह भी ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे अवैध ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से संबंधित किसी भी विवाद की स्थिति में उन्हें निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध नहीं होंगी-

1. एक्सचेंज के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत निवेशक संरक्षण का लाभ।
2. एक्सचेंज की विवाद निवारण व्यवस्था।
3. एक्सचेंज द्वारा संचालित निवेशक शिकायत निवारण तंत्र।

निवेशकों को यह भी सलाह दी जाती है कि वे किसी भी ऐसे ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म, योजना या उत्पाद की सदस्यता न लें, जिसे ऐसे व्यक्ति या संस्था द्वारा संचालित किया जा रहा हो जो SEBI अथवा एक्सचेंज में पंजीकृत नहीं है।

इसके अतिरिक्त, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर शेयर बाजार, ट्रेडिंग या मुफ्त टिप्स से संबंधित फर्जी विज्ञापनों से सावधान रहें। धोखेबाज़ वीडियो और तस्वीरों का भी उपयोग कर सकते हैं। लालच में न आएँ और सतर्क रहें।

यदि आपको कोई संदिग्ध या धोखाधड़ी वाला संदेश प्राप्त होता है, तो उसकी शिकायत संचार साथी की चक्षु सुविधा पर www.sancharsaathi.gov.in के माध्यम से करें। यदि आप पहले ही किसी साइबर धोखाधड़ी का शिकार होकर धनराशि गंवा चुके हैं, तो तुरंत साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर संपर्क करें या शिकायत दर्ज करें।

चीनी विदेश मंत्रालय ने 'विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन' की जानकारी दी

गुरुग्राम। एजेंसी। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन च्येन ने नियमित प्रेस कॉन्फ्रेंस की अध्यक्षता की। उन्होंने बताया कि 2026 विश्व कृत्रिम बुद्धिमत्ता सम्मेलन और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के वैश्विक शासन पर उच्च स्तरीय बैठक 17 से 20 जुलाई तक शांगहाई में आयोजित होगा। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे और मुख्य भाषण देंगे, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास और शासन पर चीन की नीतिगत स्थिति और अवधारणाओं को व्यापक और व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत करेंगे। चीन ने इस भव्य आयोजन में भाग लेने के लिए विभिन्न देशों के सरकारी अधिकारियों, उद्योग, शिक्षा और अनुसंधान क्षेत्रों के लोगों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुखों को व्यापक रूप से आमंत्रित किया है।

एअर इंडिया अपने वाइडबॉडी बोइंग फ्लीट के प्रबन्धन के लिए हुई डिजिटल

गुरुग्राम। बिज़नेस रेमेडीज। एअर इंडिया ने अपने बदलाव की यात्रा में एक और कदम बढ़ाया है, जिसके तहत डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने एअर इंडिया के बोइंग 787 फ्लीट के लिए इलेक्ट्रॉनिक टेक्निकल लॉगबुक (ईटीएल) को मुख्य टेक्निकल डॉक्यूमेंट के रूप में इस्तेमाल करने की मंजरी दे दी है। साथ ही बोइंग 777 फ्लीट में भी इसे लागू करने की इजाजत दी गई है। इस मंजूरी से संचालन के परफोर्मेन्स, सुरक्षा, विश्वसनीयता और सस्टेनेबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने की एअर इंडिया की प्रतिबद्धता और मजबूत होगी।

एअर इंडिया में इंजीनियरिंग और मेंटेनेंस के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट, जेरेमी यू जिन किट ने कहा: 'कागज-आधारित प्रकियाओं को रियल-टाइम डिजिटल जानकारी में बदलकर, हम संचालन की क्षमता, रखरखाव और नियमों के अनुपालन को बेहतर बना रहे हैं।

वैभव ग्लोबल लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय- ई-69, ईपीआईपी, सीतापुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर-302022, राजस्थान, इण्डिया
फोन : +91-141-2771975; CIN : L36911RJ1989PLC004945
ई-मेल : investor_relations@vaibhavglobal.com; वेबसाइट : www.vaibhavglobal.com

सूचना

भौतिक शेयरों के ट्रांसफर और डीमटेरियलाइज़ेशन (डीमैट) के लिए स्पेशल विंडो

कृपया ध्यान दें कि सेबी के सर्कुलर नंबर HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/I/3750/2026 (दिनांक 30 जनवरी, 2026) के अनुसार, भौतिक शेयरों के ट्रांसफर और डीमटेरियलाइज़ेशन (डीमैट) के लिए एक स्पेशल विंडो 4 फरवरी, 2027 तक खुली रहेगी।

यह सुविधा उन निवेशकों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने 1 अप्रैल, 2019 से पहले वैभव ग्लोबल लिमिटेड ("कंपनी") के फिजिकल शेयर खरीदे थे, और

(ए) जिन्होंने ट्रांसफर के लिए शेयर जमा नहीं किए थे, या

(बी) जिन्होंने ट्रांसफर के लिए शेयर जमा किए थे, लेकिन डॉक्यूमेंटेशन में कमियों के कारण उन्हें रिजेक्ट कर दिया गया, लौटा दिया गया या उन पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

स्पेशल विंडो की लागू होने की शर्तें

1 अप्रैल, 2019 से पहले किए गए ट्रांसफर के लिए इस विंडो के लागू होने के बारे में स्पष्टता के लिए, निवेशक नीचे दी गई जानकारी देख सकते हैं:

01 अप्रैल, 2019 से पहले ट्रांसफर के लिए फाइल किया गया था?	क्या ओरिजिनल शेयर सर्टिफिकेट इन्वेस्टर के पास है?	क्या स्पेशल विंडो में फाइल करने के लिए योग्य हैं?
नहीं – यह फ्रेश फाइल है	हाँ	हाँ (सेबी सर्कुलर में बताई गई शर्तों के अधीन)
हाँ, लेकिन पहले रिजेक्ट/वापस कर दिया गया था	हाँ	
हाँ, फाइल किया गया था	नहीं	नहीं
नहीं, फाइल नहीं किया गया था	नहीं	नहीं

कृपया ध्यान दें कि स्पेशल विंडो के तहत केवल उन्हीं अनुरोधों पर विचार किया जाएगा जिनके साथ वास्तविक शेयर सर्टिफिकेट, ट्रांसफर डीड और अन्य जरूरी दस्तावेज़ शामिल होंगे।

जो निवेशक इस स्पेशल विंडो का लाभ उठाना चाहते हैं, वे कंपनी के रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट, यानी कैफिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड से संपर्क विवरण: ईमेल- einward.ris@kfintech.com, फोन नंबर- 1-800-309-4001, यूनिट: वैभव ग्लोबल लिमिटेड, सेलेनियम बिल्डिंग, टॉवर-बी, प्लॉट नंबर 31 और 32, फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट, नानकरामगुडा, सेरिलिंगमपल्ली, हैदराबाद, रंगारेड्डी, तेलंगाना, भारत - 500 032 पर संपर्क कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए, निवेशक सेबी के सर्कुलर को https://vaibhavglobal.com/assets/legalpdf/Special_Window_for_Transfer_and_Dematerialisation_of_Physical_Securities.pdf पर देख सकते हैं।

नोट: सभी शेयरधारकों से अनुरोध है कि वे अपनी ई-मेल आईडी डिपॉज़िटरी पार्टिसिपेंट्स के पास अपडेट करें।

कृते वैभव ग्लोबल लिमिटेड
ह./-
यशस्वी पारीक
कंपनी सचिव
सदस्यता संख्या-ए39220

स्थान : जयपुर
दिनांक : 14 जुलाई, 2026

* यह सूचना अंग्रेजी प्रारूप का रूपांतरण है।

राजस्थान में स्नैपडील का सैलर बेस एक साल में हुआ दोगुना, त्योहारों के सीजन से पहले लॉन्च किया प्रोजेक्ट गति

जयपुर | बिज़नेस रेमेडीज

वैल्यू फोकस्ड ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस स्नैपडील ने 45 दिन के एक्सेलरेशन प्रोग्राम 'प्रोजेक्ट गति का लॉन्च किया है, जिसका उद्देश्य नए ऑनबोर्ड हुए विक्रेताओं को एआई-इनेबल्ड टूल्स, ऑपरेशनल सपोर्ट और फास्ट पेमेंट साइकल के जरिए आगामी त्योहारों में शॉपिंग के सीजन के लिए तैयार करना है।

यह घोषणा ऐसे समय की गई है जब पिछले एक साल में राजस्थान में स्नैपडील के विक्रेताओं की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। यह भारत के ई-कॉमर्स इकोसिस्टम में क्षेत्रीय मैन्युफैक्चरर्स और उद्यमियों की बढ़ती भागीदारी को दर्शाता है। राज्य का विविध मैन्युफैक्चरिंग और सोर्सिंग इकोसिस्टम मार्केटप्लेस पर उपलब्ध कई तरह के प्रोडक्ट्स में योगदान देता है; जयपुर महिलाओं के एथनिक वियर, ब्लॉक-प्रिंटेड प्रोडक्ट्स, ज्वेलरी, होम डेकोर, ब्लू पॉटरी, बेडशीट, रजाई और हैंडबैग के लिए एक प्रमुख केंद्र है। राजस्थान के अन्य मैन्युफैक्चरिंग सेंटर भी अलग-अलग तरह के प्रोडक्ट बनाते हैं। भीलवाड़ा पुरुषों के ट्राउजर, फॉर्मल पैंट, फ्रैब्रिक और सूटिंग मटीरियल के लिए मुख्य सोर्सिंग हब है; अन्य सेटरों की बात करें तो कॉटन फ्रैंब्रक, बेडशीट, प्रिंटेड फ्रेब्रिक और होम टेक्सटाइल के लिए पाली; तथा लेदर के सामान, मोजरी और कढ़ाई वाले प्रोडक्ट के लिए टोंक मशहूर है।

स्नैपडील के सीईओ अचिंत सेतिया

त्योहारों की खरीदारी का सीजन अगस्त में रक्षाबंधन और स्वतंत्रता दिवस के साथ शुरू होता है तथा दिवाली, क्रिसमस और नए साल तक चलता है। इससे पहले, स्नैपडील विक्रेताओं को उनकी संचालन क्षमता ब?ाने तथा ई-कॉमर्स संचालन में टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल के लिए प्रशिक्षित करेगा। अपने विक्रेता यानि सैलर इकोसिस्टम को मजबूत बनाने के प्रयासों के तहत स्नैपडील ने प्रोजेक्ट गति की शुरूआत की है। 45 दिनों का यह एक्सेलरेशन प्रोग्राम नए विक्रेताओं को प्लेटफॉर्म पर बिजनेस शुरू करने और उसे बढ़ाने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है।

प्रोजेक्ट गति में शामिल होने वाले विक्रेताओं को पांच मुख्य फायदे मिलेंगे:

जीरो कमीशन के साथ-साथ एडवरटाइजिंग क्रेडिट: प्रोडक्ट की विजिबिलिटी बढाने और विक्रेताओं को शुरुआती ऑर्डर पाने में मदद करने के लिए मुफ्त एडवरटाइजिंग क्रेडिट, साथ ही स्नैपडील के जीरो कमीशन मार्केटप्लेस मॉडल का फायदा।

फास्ट पेमेंट साइकल: पेमेंट साइकल छोटा होने से वर्किंग कैपिटल की उपलब्धता बेहतर होगी, इन्वेंट्री को तेजी से दोबारा भरने में मदद मिलेगी और विक्रेता अपने बिजनेस में फिर से निवेश कर सकेंगे।

एआई आधारित कैटलॉगिंग सपोर्ट : एआई की मदद से हाई-गुणवत्ता की विस्तृत प्रोडक्ट कैटलॉग बनाने में सपोर्ट, ताकि उपभोक्ता आसानी से प्रोडक्ट सर्च कर सकें तथा सही जानकारी के साथ खरीदारी का फैसला ले सकें।

ट्रैंड और मार्केटप्लेस की जानकारी: उभरते फैशन ट्रैंड, उपभोक्ता की पसंद, लोकप्रिय प्रोडक्ट की खूबियों, कीमत और डिमांड पैटर्न की जानकारी को सुलभ बनाना, ताकि विक्रेता सही प्रोडक्ट रेंज तैयार कर सकें।

प्रायोरिटी सपोर्ट: नए विक्रेताओं को मार्केटप्लेस के कामकाज को समझने, समस्याओं को तेजी से सुलझाने और प्लेटफॉर्म पर अपना बिजनेस जमाने में मदद करने के लिए शुरुआती 45 दिनों तक खास सपोर्ट।

इस पहल पर बात करते हुए स्नैपडील के सीईओ अचिंत सेतिया ने कहा कि राजस्थान में एंटरप्रेन्योरशिप और मैन्युफैक्चरिंग का मजबूत इकोसिस्टम है। यहाँ जयपुर, भीलवाड़ा, पाली और टोंक जैसे शहरों के विक्रेता फैशन, टेक्सटाइल, होम प्रोडक्ट्स एवं अन्य कैटेगरीज में अपना बिजनेस बढ़ा रहे हैं। पिछले साल राजस्थान से विक्रेताओं की संख्या में लगभग 100 फीसदी की बढ़ोतरी से साफ है कि ई-कॉमर्स में क्षेत्रीय बिजनेस की भागीदारी बढ़ रही है। प्रोजेक्ट गति के माध्यम से हम स्नैपडील से जुड़ने वाले नए विक्रेताओं को शुरुआती हफ्तों में खास सहयोग देना चाहते हैं। इससे उन्हें सही प्रोडक्ट रेंज बनाने, प्रोडक्ट की सर्च को बेहतर बनाने, शुरुआती तेजी लाने और देश भर में कीमतों के प्रति सजग ग्राहकों तक पहुँचने में मदद मिलेगी। स्नैपडील उच्च गुणवत्ता के सक्रिय सेलर इकोसिस्टम पर फोकस करते हुए विक्रेता को ऑनबोर्ड करने के लिए विशेष तरीका अपनाता है। राजस्थान से विक्रेताओं की संख्या में ब?ोतरी यह दिखाती है कि स्नैपडील भारत के क्षेत्रीय कारोबारों को देश भर में कीमतों के प्रति सजग उपभोक्ताओं तक पहुँचने में सहयोग प्रदान कर रहा हैं।

मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड

पंजीकृत कार्यालय - विंग ए/1, प्रथम फ्लोर, ओस्तवाल हाइट्स, अर्बन फॉरेस्ट, आटून, भीलवाड़ा-311802 (राजस्थान),भारत
वेबसाइट: www.mbapl.com ईमेल: secretarial@mbapl.com; सीआईएन: L24121RJ1997PLC029126
टेलीफोन नं. : 01482-237104 फैक्स नं.: 01482-239638

30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों का सार

[सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 का विनियम 47(1)(बी)] (रुपए लाखों में)

क्र.सं.	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष
		30.06.2026 अनअंकेक्षित	31.03.2026 अंकेक्षित	30.06.2025 अनअंकेक्षित	31.03.2026 अंकेक्षित
1	परिचालन से कुल आय	42,174.81	40,385.73	41,272.43	188,383.04
2	शुद्ध लाभ / (हानि) (कर एव असाधारण मदों से पहले)	4,425.42	3,064.90	4,414.11	17,405.32
3	शुद्ध लाभ / (हानि) (कर से पहले एव असाधारण मदों के बाद)	4,425.42	3,064.90	4,414.11	17,405.32
4	शुद्ध लाभ / (हानि) (कर एव असाधारण मदों के बाद)	3,296.22	5,975.72	2,820.62	15,018.24
5	कुल व्यापक आय (कर एव अन्य व्यापक आय के बाद)	3,297.48	5,980.77	2,820.62	15,023.29
6	इक्विटी शेयर पूंजी	8,762.69	8,762.69	8,762.69	8,762.69
7	अन्य इक्विटी (रिजर्व)	-			46,207.27
8	आय प्रति शेयर (रुपये 2/- प्रति का) (संचालन जारी और बंद रखने के लिए) (वार्षिकीकृत नहीं)				
	1. मूल	0.75	1.36	0.64	3.43
	2. तरल	0.75	1.36	0.64	3.43

टिप्पणियां

1. 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के उपरोक्त अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और 14 जुलाई 2026 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।
2. उपरोक्त वित्तीय परिणाम भारतीय लेखा मानकों ('इंड एस') के अनुसार तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 व सपठित इसके तहत जारी प्रासंगिक नियमों के अनुसार है।
3. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए विस्तृत वित्तीय परिणामों का सार है। त्रैमासिक वित्तीय परिणाम का पूर्ण प्रारूप परिणाम स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.mbapl.com पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल के लिए और उसकी ओर से
कृते/-
(सौरभ गुप्ता)
पूर्णकालिक निदेशक एवं सीएफओ
डीआईएन: 07177647

स्थान: भीलवाड़ा
दिनांक: 14 जुलाई 2026

TATA POWER

(Corporate Contracts Department)

The Tata Power Company Limited, Smart Center of Procurement Excellence, 3rd Floor, Sahar Receiving Station, Near Hotel Leela, Sahar Airport Road Andheri (E), Mumbai 400 059, Maharashtra, India (Board Line: 022-67173917) CIN: L28920MH1919PLC000567

NOTICE INVITING TENDER (NIT)

The Tata Power Company Limited invites tender from eligible vendors for the following tender packages (Two-part Bidding).

(A) Following is Corrigendum 1 to Original Tender published on 23 June 2026.

Original Tender Name - Services for Transmission Line Works for MCGM Coastal Road Projects **(Package Ref No: CC27FK012).**

Updated Tender Name - Services for Various Transmission Line Works **(Package Ref No: CC27FK012).**

Interested & eligible bidders to submit Tender Fee & Authorization Letter before **1500 Hrs. Friday, 17th July 2026.**

For detailed NIT, please visit Tender section on website **https://www.tatapower.com**. Also, all future corrigendum's/ addendum's if any, to the said tenders will be published on Tender section of above website **(Tata Power → Business Associates → Tender Documents)** only.

ALLDIGI TECH LIMITED

(formerly known as Allsec Technologies Limited)

Regd. Office : 46-C Velachery Main Road, Velachery, Chennai - 600 042. Tel: 044 - 4299 7070 CIN : L72300TN1998PLC041033, Website: www.alldigitech.com E-mail: investorcontact@alldigitech.com

NOTICE OF 27th ANNUAL GENERAL MEETING AND E-VOTING INFORMATION

Notice is hereby given that the Twenty Seventh (27th) Annual General Meeting ("AGM") of members of Alldigi Tech Limited ("the Company") will be held on Wednesday, the 12th day of August, 2026 at 02:00 P.M. (IST) through Video Conferencing ("VC") / Other Audio-Visual Means ("OAVM") to transact the business, set forth in the Notice of the AGM.

The Ministry of Corporate Affairs (MCA) has vide its General Circular No. 03/2025 dated September 22, 2025 and Securities and Exchange Board of India vide its circular dated October 3, 2024 read with the circulars issued earlier in this regard (collectively referred to as "Circulars") permitted holding of the AGM through VC/OAVM, without physical presence of the Members at a common venue. In compliance with the Circulars and the relevant provisions of the Companies Act, 2013, the AGM of the Company will be held through VC/OAVM and the attendance of members attending the AGM through VC/OAVM will be counted for the purpose of reckoning the quorum under Section 103 of the Act.

Notice of the AGM along with the Annual Report for the financial year 2025-26 will be sent by electronic mode to those Members whose E-mail IDs are registered with the Company/Registrar & Transfer Agents ("RTA")/Depository Participants ("DPs") and shall also be hosted on the website of the Company at https://www.alldigitech.com/investor-information/ and on the website of the Stock Exchanges, i.e., BSE Limited and National Stock Exchange of India Limited at www.bseindia.com and www.nseindia.com, respectively.

Shareholders holding shares in dematerialized mode, are requested to register their e-mail ID with the relevant Depositories and shareholders holding shares in physical mode are requested to furnish details to the Company's RTA, KFin Technologies Limited at einward.ris@kfintech.com. A separate letter providing the web-link for accessing the Notice of the AGM and Annual Report will also be sent to those shareholders who have not registered their email address with the Company/Depositories.

The Company is providing to its Shareholders, the facility to exercise their right to vote on resolutions set forth in the Notice of the AGM, using electronic voting system platform (e-voting), provided by National Securities Depository Limited (NSDL). The e-voting period commences on Sunday, August 09, 2026 (9.00 AM IST) and ends on Tuesday, August 11, 2026 (5.00 PM IST). During this period, members holding shares as on Wednesday, August 05, 2026. i.e., cut-off date, may cast their vote electronically. Further, the facility for e-voting at AGM shall also be made available during the AGM. The members who have not cast their votes through remote e-voting can cast their vote during the AGM.

The manner of casting vote through remote e-voting or voting at the AGM by Shareholders holding shares in demat and physical mode including the process of joining the AGM is detailed in the Notice of the AGM.

Any person who acquires shares of the Company and becomes a Member of the Company after sending of the Notice and holding shares as of the cut-off date, may obtain the login ID and password by sending a request at evoting@nsdl.com. However, if he/she is already registered with NSDL for remote e-voting, then he/she can use his/her existing user ID and password for casting the vote.

In terms of SEBI circular no. SEBI/HO/GFDICMD/ CIR/P/2020/242 dated December 9, 2020 on e-Voting facility provided by Listed Companies, individual shareholders holding securities in demat mode are allowed to vote through their demat account maintained with Depositories and Depository Participants. Shareholders are advised to update their mobile number and email ID in their demat accounts in order to access e-Voting facility.

Shareholders holding shares in demat form are requested to notify any change in address or bank account details to their respective Depository Participant(s) (DP). Shareholders holding shares in physical form are mandatorily required to complete their KYC with the Company's RTA to facilitate payment of dividends which shall be paid exclusively through electronic mode.

In case you have any queries or issues regarding e-voting, you may refer the Frequently Asked Questions ("FAQs") and e-voting manual available at www.evoting.nsdl.com under help section or write an email to evoting@nsdl.com.

For Alldigi Tech Limited
(formerly known as Allsec Technologies Limited)
Sd/-
Shivani Sharma
Company Secretary & Compliance Officer

Date: July 14, 2026
Place: Chennai

ARTEMIS HOSPITALS

OUR SPECIALITY IS YOU

ARTEMIS MEDICARE SERVICES LIMITED

CIN: L85110DL2004PLC126414
Registered Office: Plot No. 14, Sector- 20, Dwarka, Delhi-110075
Corporate Office: Artemis Hospital, Sector- 51, Gurugram, Haryana- 122001
Tel.: +91-124-4511 111
E-mail: investor@artemishospitals.com | **Website:** www.artemishospitals.com

SPECIAL WINDOW FOR TRANSFER AND DEMATERIALISATION OF PHYSICAL SECURITIES

Notice is hereby given that pursuant to SEBI Circular No. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/ I/3750/2026 dated January 30, 2026, a Special Window has been opened for a period of one year, from February 5, 2026 to February 4, 2027, for transfer and dematerialisation of physical securities.

This facility is available to the lodgement of transfer deeds that were executed prior to April 1, 2019 and (a) were not lodged for transfer, or (b) were lodged for transfer but were rejected/ returned/ not attended to due to deficiency in the documents/ process/ or otherwise.

Accordingly, eligible security holders holding valid transfer deed executed prior to April 1, 2019 are encouraged to lodge the same along with the requisite documents including the Original Security Certificate(s), with the Company's Registrar and Transfer Agent i.e., Alankit Assignments Limited, Alankit House, 4E/2, Jhandewalan Extension, New Delhi-110055; Contact No.: 011-42541234/ 23541234; Email: rta@alankit.com.

Please note that the securities so transferred shall be mandatorily credited to the transferee only in demat mode and shall be under lock-in for a period of one year from the date of registration of transfer. During the said lock-in period, such securities shall not be transferred/ lien-marked/ pledged.

For **Artemis Medicare Services Limited**
Sd/-
Poonam Makkar
Company Secretary & Compliance Officer

Date: July 14, 2026
Place: Gurugram

AMJ LAND HOLDINGS LIMITED

CIN: L21012MH1964PLC013058
Registered Office : Thergaon, Pune – 411 033. Tel.: 020-30613333
E-mail: admin@amjland.com **Website:** www.amjland.com

NOTICE OF SPECIAL WINDOW FOR RE-LODGEMENT OF TRANSFER REQUESTS OF PHYSICAL SHARES

Notice is hereby given to inform that SEBI vide its circular No. HO/38/13/11(2)2026-MIRSD-POD/ I/3750/2026 dated 30th January, 2026 has decided to open special window for a period of one year from 05th February, 2026 to 04th February, 2027 for re-lodgement of transfer deeds, which were lodged prior to 01st April, 2019 and rejected/returned/not attended to due to deficiency in the documents/process/or otherwise.

During this period, the securities that are re-lodged for transfer (including those requests that are pending with the Listed Company/RTA, as on date) shall be issued only in demat mode. Due process shall be followed for such transfer-cum-demat requests. The Company and the RTA have formed focused teams to attend such requests. Kindly refer to the below matrix with regards to the applicability of lodgement.

Execution Date of Transfer Deed	Lodged for transfer before April 01, 2019?	Original Security Certificate Available?	Eligible to lodge in the current window?
Before April 01, 2019	No (it is fresh lodgement)	Yes	✓
Before April 01, 2019	Yes (it was rejected/ returned earlier)	Yes	✓
Before April 01, 2019	Yes	No	x
Before April 01, 2019	No	No	x

The eligible investors can submit their requests along with requisite documents to the Company or RTA of the Company at below mentioned address:

The Secretarial Department **AMJ LAND HOLDINGS LIMITED** Regd. Off.: Thergaon, Pune 411 033. Tel.: 020-30613333 Email: admin@amjland.com / secretarial@pudumjee.com	Registrar and Share Transfer Agent: **KFin Technologies Limited** Unit : AMJ Land Holdings Limited Selenium Building Tower B, Plot 31-32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Hyderabad – 500 032 Toll Free No.: 1800-3094-001 Email : einward.ris@kfintech.com

This is for your information.

For AMJ Land Holdings Limited

Chinmay Pitre
Company Secretary & Compliance Officer
ICSI Membership No.: A68311

Place : Pune
Date : 14th July, 2026

(This is an Advertisement for information purpose only and not for publication or distribution or release directly or indirectly outside India and is not an offer document or announcement.)

OASIS SECURITIES LIMITED

Our Company was originally incorporated as **"Abhishek India Limited"** under the Companies Act, 1956, pursuant to a Certificate of Incorporation dated 6th November, 1986, issued by the Registrar of Companies, Maharashtra. The equity shares of the Company were listed and admitted to dealings on the Capital Market Segment on 2nd September, 1987. Further, the name of our Company was subsequently changed to **"Oasis Securities Limited"** and received a Fresh Certificate of Incorporation dated 1st February, 1995 from the Registrar of Companies, Bombay, Maharashtra. The Company is registered with the Reserve Bank of India under Section 45-IA of the Reserve Bank of India Act, 1934 as a Non-Banking Financial Company (NBFC), bearing Registration No. 13.00069, with effect from 24th February, 1998. Further, pursuant to the Letter of Offer dated 30th May, 2024, the Company was acquired by its current promoters, namely Mr. Rajesh Kumar Sodhani, Mrs. Priya Sodhani, and Mr. Gyan Chand Jain. For further details of our Company, please refer to the chapter titled "General Information" on page no. 41 of the Letter of Offer.

Corporate Identification Number: L51900MH1986PLC041499
Registered Office: A-112, 1st Floor, Lodha Supremus, MIDC, Andheri East, Chakala MIDC, Mumbai, Maharashtra, India, 400093;
Corporate Office: C 373 behind Amar Jain Hospital, Block C Vaishali Nagar, Vaishali Nagar, Jaipur, Rajasthan, India, 302021
Contact No.: +91-9829013735, **Email id:** sodhanioasis@gmail.com; **Website:** www.oasiscaps.com
Contact Person: Ms. Kirti Mool Chand Jain, Company Secretary and Compliance Officer

PROMOTERS OF OUR COMPANY: MR. RAJESH KUMAR SODHANI, MS. PRIYA SODHANI, MR. GYAN CHAND JAIN AND KAILASH CHANDRA SODHANI HUF

ISSUE OF 2,77,50,000 FULLY PAID-UP EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF RE. 1.00/- EACH ("EQUITY SHARES") OF OASIS SECURITIES LIMITED ("OASISEC" OR THE "COMPANY" OR THE "ISSUER") FOR CASH AT A PRICE OF RS. 10.00/- PER EQUITY SHARE (INCLUDING SHARE PREMIUM OF RS. 9.00/- PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE"), AGGREGATING UPTO RS. 2,775.00 LAKHS ON A RIGHTS BASIS TO THE EXISTING EQUITY SHAREHOLDERS OF OUR COMPANY IN THE RATIO OF 3 (THREE) RIGHTS EQUITY SHARES FOR EVERY 2 (TWO) FULLY PAID-UP EQUITY SHARES HELD BY THE ELIGIBLE EQUITY SHAREHOLDERS ON THE RECORD DATE 18TH JUNE, 2026 (THE "RECORD DATE"). THE ISSUE PRICE IS 10 TIMES OF FACE VALUE OF THE EQUITY SHARES. FOR FURTHER DETAILS, PLEASE SEE THE CHAPTER TITLED "TERMS OF THE ISSUE" ON PAGE NO. 150 OF THE LETTER OF OFFER.

BASIS OF ALLOTMENT

The Board of Directors of our Company thanks all investors for their response to the Issue, which opened for subscription on Monday, 29th June, 2026 and closed on Friday, 10th July, 2026 and the last date for On-Market Renunciation of Rights Entitlements was Monday, 6th July, 2026. Out of the total 626 Applications for 2,94,99,656 Rights Equity Shares, 159 Applications for 1,69,453 Rights Equity Shares were rejected due to technical reason, 31,384 Rights Equity Shares were partially rejected as disclosed in the Basis of allotment approved by BSE Limited **('BSE')**. The total number of valid Applications received were 467 Applications for 2,42,00,497 Rights Equity Shares. Final subscription is 105.69 % after removing rejection of Rights Equity Shares under the Issue.

In accordance with the Letter of Offer and the Basis of Allotment finalized on 13th July, 2026, in consultation with the Registrar to the Issue **('RTA')** and BSE Limited **('BSE')**, the Designated Stock Exchange, the Rights Issue Committee allotted 2,77,50,000 Fully Paid-up Rights Equity Shares on 13th July, 2026 to the successful Applicants. All valid Applications have been considered for allotment.

1. The break-up of valid applications received through ASBA is as under:

Applicants	No. of applicants	No. of Equity Shares allotted against REs	No. of Rights Equity Shares allotted against valid additional shares	Total Equity Shares allotted
Eligible Equity Shareholders	419	1,57,20,886	35,49,503	1,92,70,389
Renouncees	48	84,79,611	0	84,79,611
Total	**467**	**2,42,00,497**	**35,49,503**	**2,77,50,000**

2. Information regarding total applications received

Summary of Allotment in various categories is as under:

Category	Gross			Less: Rejections / Partial Amount			Valid		
	Applications	Equity Shares	Amount	Applications	Equity Shares	Amount	Applications	Equity Shares	Amount
Eligible Equity Shareholders	430	1,96,66,551	19,66,65,510	11	1,13,419	11,34,190	419	1,95,53,132	19,55,31,320
Renouncees	196	98,33,105	9,83,31,050	148	56,034	5,60,340	48	97,77,071	9,77,70,710
Total	**626**	**2,94,99,656**	**29,49,96,560**	**159**	**1,69,453**	**16,94,530**	**467**	**2,93,30,203**	**29,33,02,030**

Intimation for Allotment/ refund/ rejection cases: The dispatch of allotment advice cum refund intimation and intimation for rejection, as applicable, to the Investors has been completed on 14th July, 2026. The instructions to SCSBs for unblocking of funds were given on, 13th July, 2026. The listing application was filed with BSE on 13th July, 2026 and subsequently, the listing approval was received on 14th July, 2026 from BSE. The credit of Rights Equity Shares in dematerialised form to respective demat accounts of Allottees was completed on 14th July, 2026 by CDSL and NSDL respectively. For further details, see ***"Terms of the Issue - Allotment advice or refund/unblocking of ASBA accounts"*** on page no. 174 of the Letter of Offer. The trading in fully paid-up equity shares issued by way of Rights shall commence on BSE under **ISIN - INE876A01023** upon receipt of trading permission. The trading is expected to commence on or about 16th July, 2026.

Further, in accordance with SEBI circular bearing reference - SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2020/13 dated January 22, 2020, the request for extinguishment of Rights Entitlements has been sent to NSDL & CDSL on or before 14th July, 2026.

INVESTORS MAY PLEASE NOTE THAT THE EQUITY SHARES CAN BE TRADED ON THE STOCK EXCHANGE ONLY IN DEMATERIALISED FORM

DISCLAIMER CLAUSE OF BSE (DESIGNATED STOCK EXCHNAGE): It is to be distinctly understood that the permission given by BSE Limited should not in any way be deemed or construed that the Letter of Offer has been cleared or approved by BSE Limited, nor does it certify the correctness or completeness of any of the contents of the Letter of Offer. The investors are advised to refer to the Letter of Offer for the full text of the ***"Disclaimer Clause of BSE"*** on page no. 145 of the Letter of Offer.

Unless otherwise specified, all capitalized terms used herein shall have same meaning ascribed to such terms in the Letter of Offer.

REGISTRAR TO THE ISSUE	COMPANY SECRETARY AND COMPLIANCE OFFICER
CAMEO **Cameo Corporate Services Limited** **Address:** Subramanian Building, No. 1, Club House Road, Chennai – 600002, Tamil Nadu, India; **Contact No:** +91-044 4002 0700 / 2846 0390; **Email id:** rights@cameoindia.com; **Investor Grievance Email id:** investor@cameoindia.com; **Website:** https://rights.cameoindia.com/oasis; **Contact Person:** Ms. K. Sreepriya; **SEBI Registration No.:** INR000003753; and **CIN:** U67120TN1998PLC041613	**Ms. Kirti Mool Chand Jain, Company Secretary and Compliance Officer** **Oasis Securities Limited** **Registered Office:** A-112, 1st Floor, Lodha Supremus, MIDC, Andheri East, Chakala MIDC, Mumbai, Maharashtra, India, 400093; **Contact No.:** +91-9829013735; **Email id:** sodhanioasis@gmail.com; **Website:** www.oasiscaps.com

Investors may contact the Registrar or the Company Secretary and Compliance Officer for any Pre-Issue or Post-Issue related matter. All grievances relating to the ASBA process may be addressed to the Registrar, with a copy to the SCSBs, giving full details such as name, address of the Applicant, contact numbers, e-mail address of the sole/ first holder, folio number or demat account number, number of Rights Equity Shares applied for, amount blocked, ASBA Account number and the Designated Branch of the SCSBs where the Application Form or the plain paper application, as the case may be, was submitted by the Investors along with a photocopy of the acknowledgement. For details on the ASBA process, see ***"Terms of the Issue"*** on page no. 150 of the Letter of Offer.

THE LEVEL OF SUBSCRIPTION SHOULD NOT BE TAKEN TO BE INDICATIVE OF EITHER THE MARKET PRICE OF THE EQUITY SHARES OR THE BUSINESS PROSPECTS OF THE COMPANY.

For, Oasis Securities Limited
On behalf of Board of Directors
Sd/-
Kirti Mool Chand Jain
Company Secretary and Compliance Officer

Place: Mumbai
Date: 14th July, 2026

Disclaimer: Our Company has filed the Letter of Offer with the Stock Exchange **("BSE")** and submitted with SEBI for information and dissemination. The Letter of Offer is available on website of the Stock Exchange, where the Equity Shares are listed i.e. www.bseindia.com, the website of the Registrar to the Issue at https://rights.cameoindia.com/oasis and website of the Company at www.oasiscaps.com. Potential investors should note that investment in Equity Shares involves a high degree of risk and for details relating to the same, see the section titled "Risk Factors" on page no. 27 of the Letter of Offer. This announcement has been prepared for publication in India and may not be released in the United States.

OSTWAL — MADHYA BHARAT AGRO PRODUCTS LTD.

Reg. Office- Wing A/1, 1st Floor, Ostwal heights, Urban Forest Atun, Bhilwara (Raj.) INDIA
Website: www.mbapl.com, Email: secretarial@mbapl.com; CIN : L24121RJ1997PLC029126
Tel. No. : 01482-237104 Fax No. : 01482-239638

Statement of Unaudited Financial Result For the Quarter Ended as on 30th June,2026
[Regulation 47(1)(b) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015]

Rs. in Lakhs (unless otherwise stated)

S.No.	Particulars	Quarter Ended			Year Ended
		30th June 2026 Unaudited	31st March 2026 Audited	30th June 2025 Unaudited	31st March 2026 Audited
1	Total income from operations	42,174.81	40,385.73	41,272.43	188,383.04
2	Net profit / (loss) for the period (before tax, exceptional and extraordinary items)	4,425.42	3,064.90	4,414.11	17,405.32
3	Net profit / (loss) for the period before tax (after exceptional and extraordinary items)	4,425.42	3,064.90	4,414.11	17,405.32
4	Net profit / (loss) for the period after tax (after exceptional and extraordinary items)	3,296.22	5,975.72	2,820.62	15,018.24
5	Total comprehensive income for the period [Comprising profit/(loss) for the period (after tax) and other comprehensive income (after tax)]	3,297.48	5,980.77	2,820.62	15,023.29
6	Equity share capital	8,762.69	8,762.69	8,762.69	8,762.69
7	Other equity (Reserves)	-			46,207.27
8	Earning per share (of Rs. 2/- each) (for continuing and discontinued operations) (not annualised)				
	1. Basic (In Rs.)	0.75	1.36	0.64	3.43
	2. Diluted (In Rs.)	0.75	1.36	0.64	3.43

Note :

a) The above unaudited financial results of the company for the quarter ended June 30th, 2026 have been reviewed by the Audit Committee and approved by the Board of Directors at their respective meetings held on 14th July, 2026. The same have been subjected to limited review by the Statutory Auditors.

b) The above financial results are prepared in accordance with Indian Accounting Standards ('IND AS') as prescribed under section 133 of the companies Act, 2013 read with relevant rules issued there under.

c) The above is an extract of the detailed financial results for the quater ended 30th June, 2026 filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the quarterly financial results are available on the websites of the Stock Exchange www.nseindia.com and Company's website www.mbapl.com

For and on behalf of the Board of Directors
Sd/-
(Sourabh Gupta)
Whole Time Director & CFO
DIN 07177647

Place: Bhilwara
Date : 14th July ,2026

BENARES HOTELS LIMITED

CIN : L55101UP1971PLC003480
Regd. Office: Hotel Taj Ganges, Nadesar Palace Compound, Varanasi, Uttar Pradesh - 221 002.
E-mail : investor@tajhotels.com; Website: www.benareshotelslimited.com

FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER ENDED JUNE 30, 2026

(₹ in Lakhs)

Particulars	Quarter ended June 30, 2026 (Unaudited & Reviewed)	Quarter ended March 31, 2026 (Audited)	Quarter ended June 30, 2025 (Unaudited & Revived)	Year ended March 31, 2026 (Audited)
Total Income from Operations	3,521.55	4,993.75	2,679.01	14,490.33
Net Profit for the period before tax (before and after Exceptional items)	1,107.36	2,073.09	1,019.42	5,806.43
Net Profit for the period after tax(after Exceptional items)	824.87	1,534.62	758.15	4,323.89
Total Comprehensive Income for the period [Comprising profit for the period (after tax) and Other Comprehensive Income (after tax)]	826.34	1,537.55	755.51	4,316.39
Paid up Equity Share Capital (Face Value - ₹ 10/- per share)	130	130	130	130
Earnings Per Share (in ₹) - Basic and Diluted (Not annualised*) (Face Value - ₹ 10/- per share)	*63.45	*118.05	*58.32	332.61

Note :

1. The above is an extract of the detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of these Financial Results are available on the websites of Stock Exchange at www.bseindia.com and also on the Company's website at www.benareshotelslimited.com. The same can be accessed by scanning the QR Code provided below:

For and on behalf of the Board
DR. ANANT NARAIN SINGH
Chairman
(DIN : 00114728)

Dated : July 14, 2026
Place : Mumbai

बदल गया है फाइनेंशियल सर्विसेज को मैनेज व एक्सेस करने का तरीका

भारतीय महिलाएं अपने फाइनेंस को मैनेज करने के लिये बैंक ब्रांच जाने के बजाय मोबाइल एप को इन्स्टॉल करना सरल समझ रही

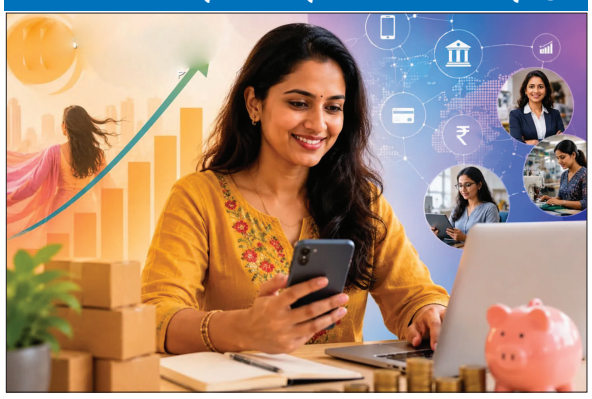

नई दिल्ली@एजेंसी। भारतीय महिलाएं अपने फाइनेंस को मैनेज करने के लिये बैंक ब्रांच जाने के बजाय मोबाइल एप को इन्स्टॉल करना सरल समझ रही हैं। डीबीएस बैंक इन्डिया के शोध में पाया गया है। शोध के अनुसार यूपीआई, डिजिटल बैंकिंग और ऑनलाइन इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म्स के प्रसार ने एक्सेस का तरीका बदल दिया है। ऐसे में देश रैपिड डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन का दौर देख रहा है। महिलाएं अब क्योंकि पेशेवर तौर पर आगे बढ़ रही है तो फाइनेंस को मैनेज करने की समझ भी बढ़ रही है। वे बैंक ब्रांच जाकर सर्विसेज लेने के बजाय मोबाइल एप का उपयोग कर रही हैं।

'वूमैन एंड फाइनेंस 2026- द डिजिटल अपॉर्च्यूनिटी' रिपोर्ट के अनुसार फीमेल एंटरप्रेन्योर्स इस शिफ्ट को बेहतर अपना रही है। इसका कारण सिम्पल है, कन्वीनियंस, स्पीड और एक्सेबिलिटी, जो कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ऑफर करते हैं। हाई नैटवर्थ (एचएनडब्ल्यू)वूमैन पॉवर भी डिजिटल बैंकिंग, इन्वेस्टमेंट प्लेटफॉर्म पर भरोसा कर रही है। ग्रामीण भारत में देखें तो वहां पर भी धीरे-धीरे डिजिटल फाइनेंशियल सर्विसेज का प्रसार बेसिक ट्रांजेक्शन से आगे जाने लगा है।

शोध के अनुसार वूमैन एंटरप्रेन्योर्स के बीच फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी में डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म्स सबसे ज्यादा तेजी से इमर्ज हुए हैं। 84 प्रतिशत फीमेल एंटरप्रेन्योर्स ने कहा कि वे डिजिटल पेमेंट टूल्स का इस्तेमाल करती हैं। 38 प्रतिशत लोन के लिये तो 29 प्रतिशत क्रेडिट प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करती हैं। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि डेली बिजनस ऑपरेशंस के लिये डिजिटल प्लेटफॉर्म्स काफी अहम बन गये हैं। इससे महिलाएं पेमेंट, सैलरी, कस्टमर ट्रांजेक्शंस, फाइनेंशियल रिकॉर्ड्स को एफिशियंटली मैनेज कर लेती हैं। यूपीआई तो प्रीफर्ड पेमेंट का तरीका बन गया है। 77 प्रतिशत एचएनडब्ल्यू महिलाएं, 72 प्रतिशत फीमेल एंटरप्रेन्योर्स और 54 प्रतिशत रूरल वूमैन अर्नर्स यूपीआई का उपयोग नियमित रूप से कर रही हैं।

इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन पेनीट्रेशन भी रहे अहम

ऐसे में शोध के परिणाम यह बता रहे हैं देश का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर अब शहरी व ग्रामीण स्तर पर ज्यादा आसान और उपलब्ध है। डीबीएस के अनुसार इंटरनेट कनेक्टिविटी, स्मार्टफोन पेनीट्रेशन, एप आधारित बैंकिंग सर्विसेज का प्रसार तेजी से बढ़ा है। 29 प्रतिशत फीमेल एंटरप्रेन्योर्स, 28 प्रतिशत एचएनडब्ल्यू वूमैन ब्रोकरेज प्लेटफॉर्म्स का उपयोग एक्टिवली कर रही है। इससे उनमें डिजिटली इन्वेस्टमेंट को मैनेज करने का आत्मविश्वास आया है। डिजिटल चैनल्स ने ऋण लेने के बिहेवियर को भी प्रभावित किया है। दो में से एक महिला उद्यमी पर्सनल क्रेडिट कार्ड का उपयोग फ्रीक्वेंटली करती हैं। दस लाख रुपये प्रतिमाह से ज्यादा कमाने वाली 65 प्रतिशत में डिजिटल क्रेडिट प्रोडक्ट्स का उपयोग और ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार डिजिटल एडॉप्शन में विश्वास सबसे बड़ी बात है। यही फाइनेंशियल टैक्नोलॉजी का उपयोग करने में अहम है। गांवों में अभी भी महिलाएं बैंक जाकर इंटरेक्शन करना ज्यादा पसंद करती है। अधिकांश प्रतिभागियों ने शोध में कहा कि डिजिटल फ्रॉड के प्रति वे सजग रहने का प्रयास करती हैं। 72 प्रतिशत रूरल वूमैन अर्नर्स, 54 प्रतिशत फीमेल एंटरप्रेन्योर्स और 53 प्रतिशत एचएनडब्ल्यू वूमैन ने यह कहा। फाइनेंशियल एज्युकेशन, एडवाइजरी सपोर्ट, अवेयरनैस कैम्पेन ने उन्हें आत्मविश्वासी बनाया है और डिजिटल फाइनेंस सर्विस को बिंदास उपयोग करने का विश्वास दिया है।

ई20 एक व्यवहारिक ईंधन

भारत की एनर्जी सिक्योरिटी को मजबूत करने में अहम भूमिका - डॉ. माशेलकर

नई दिल्ली@आईएएनएस। भारत के एथेनॉल-मिश्रित ई20 पेट्रोल प्रोग्राम का समर्थन करते हुए पद्म विभूषण से सम्मानित दिग्गज वैज्ञानिक डॉ. रघुनाथ अनंत माशेलकर ने कहा कि एथेनॉल ग्लोबल लेवल पर पहले ही एक व्यवहारिक व्हीकल फ्यूल साबित हो चुका है और यह भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा सकता है।

वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) के पूर्व महानिदेशक डॉ. माशेलकर ने एथेनॉल से चलने वाले वाहनों के मामले में ब्राजील के कई दशकों के अनुभव का हवाला देते हुए कहा कि यह ईंधन पूरी तरह व्यवहारिक है। ब्राजील में गत 30-40 वर्षों से वाहन एथेनॉल पर चल रहे हैं। यह अनुभव बताता है कि एथेनॉल एक व्यवहारिक ईंधन है।

डॉ. माशेलकर ने कहा कि एथेनॉल और अन्य स्वदेशी ईंधनों के उपयोग का विस्तार करने से भारत कच्चे तेल के आयात पर अपनी निर्भरता कम कर सकेगा और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। पश्चिम एशिया में हालिया भू-राजनीतिक तनाव का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि ग्लोबल फ्यूल सप्लाई में आने वाली बाधाएं इस बात का संकेत हैं कि भारत को घरेलू स्तर पर उत्पादित वैकल्पिक ईंधनों को तेजी से अपनाना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमें आत्मनिर्भर बनना होगा। हमें अपना ईंधन खुद तैयार करना चाहिए। आयातित ऊर्जा पर निर्भरता किसी भी देश को वैश्विक संघर्षों और आपूर्ति में व्यवधान जैसी परिस्थितियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना देती है। एथेनॉल का मजबूत समर्थन करते हुए भी डॉ. माशेलकर ने कहा कि भारत को साथ-साथ अन्य स्वच्छ ईंधन विकल्पों पर भी काम करना चाहिए। इनमें मेथेनॉल, डाइमेथाइल ईथर (डीएमई), कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) और बायोमास आधारित ग्रीन हाइड्रोजन शामिल हैं।

इन्डिया के 104 एयरपोर्ट्स अब 100 प्रतिशत रिन्यूएबल एनर्जी से संचालित

नई दिल्ली@एजेंसी। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने घोषणा की कि देश के 104 एयरपोर्ट्स अब 100 प्रतिशत नवीकरणीय (रिन्यूएबल) ऊर्जा से संचालित हो रहे हैं। यह उपलब्धि देश में एविएशन इंफ्रास्ट्रक्चर को अधिक टिकाऊ और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

उन्होंने कहा कि भारत के 104 हवाई अड्डे अब 100 प्रतिशत नवीकरणीय ऊर्जा से संचालित हो रहे हैं, जबकि 2014 में यह संख्या शून्य थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा निर्धारित वर्ष 2070 तक नेट जीरो लक्ष्य की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है। इस उपलब्धि का अर्थ है कि ये 104 हवाई अड्डे अपनी परिचालन संबंधी बिजली की पूरी आवश्यकता नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से पूरी कर रहे हैं। इसमें एयरपोर्ट परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों से उत्पन्न बिजली के साथ-साथ जलविद्युत (हाइड्रोपावर) जैसी नवीकरणीय ऊर्जा का भी उपयोग किया जा रहा है, जिसे दीर्घकालिक समझौतों के तहत खरीदा जाता है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत के हवाई अड्डा क्षेत्र ने स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने में लगातार वृद्धि की है। जून, 2022 में दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा देश का पहला ऐसा एयरपोर्ट बना था, जिसने अपनी पूरी बिजली की जरूरत सौर ऊर्जा और जलविद्युत के संयोजन से पूरी करनी शुरू की। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) के अनुसार, एयरपोर्ट की करीब 6 प्रतिशत बिजली उसके अपने सौर ऊर्जा संयंत्रों से आती है, जबकि शेष 94 प्रतिशत बिजली दीर्घकालिक जलविद्युत खरीद समझौते के तहत प्राप्त की जाती है। इस पहल से हर वर्ष लगभग 2 लाख टन कार्बन उत्सर्जन कम होने का अनुमान है।

वहीं, कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा वर्ष 2015 में पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित होने वाला दुनिया का पहला एयरपोर्ट बना था। इसके बाद एयरपोर्ट ने अपनी सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता का लगातार विस्तार किया और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना हासिल की। यह ताजा उपलब्धि नागर विमानन मंत्रालय की जून, 2026 की उस घोषणा के बाद सामने आई है, जिसमें बताया गया था कि 88 से अधिक भारतीय हवाई अड्डे पहले ही 100 प्रतिशत हरित ऊर्जा पर संचालित हो चुके हैं। सरकार का लक्ष्य वर्ष 2030 तक देश के सभी हवाई अड्डों को नेट-जीरो उत्सर्जन वाला बनाना है, ताकि भारत के विमानन क्षेत्र को पूरी तरह पर्यावरण-अनुकूल बनाया जा सके।

एन के चौधरी जयपुर रग्स के फाउंडर हैं। कम्पनी कारपेट की बड़ी एक्सपोर्टर है। राजस्थान में ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में संस्थान का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पांच दशकों से अधिक की कारोबारी यात्रा में अनेक अनुभव हुए हैं, जो जीवन की व्यवहारिकता दर्शाने वाले हैं।

महत्वपूर्ण है देश काल और परिस्थितियां

हमारे यहां सामान्य भाषा में देश काल और परिस्थितियों का जिक्र किया जाता है और कहा जाता है कि करना वही चाहिये जो देश काल और परिस्थितियों के अनुरूप हो। इस बात को इस तरह से भी कहा जा सकता है कि युग-धर्म की पालना हो तो श्रेष्ठ रहता है। वस्तुत: समय कभी एक जैसा नहीं रहता, वह बदलता और आगे बढ़ता रहता है। उसके अनुसार कायदे-कानून व व्यवहार सुनिश्चित होता है। आदिम काल की चर्चा जब सुनते पढ़ते हैं, तो पाते हैं कि तब मनुष्य बिना वस्त्रों के ही रहता था। मध्य काल में धोती और दुपट्टा दो ही वस्त्र काम आते थे, इसलिए कि तब सिलाई का ज्ञान भी नहीं था। प्रारंभिक दौर में अनगढ़ औजारों व हथियारों से काम चलता था, लेकिन मध्य काल में धनुष बाण, ढाल तलवार का उपयोग होने लगा। अब मिसाइल युग आ गया है अर्थात आमने-सामने की जंग 90 फीसदी नहीं होती बल्कि एक देश अपने यहां से ही मिसाइल के जरिये दूसरे देश पर वार कर देता है। ईरान इजरायल युद्ध में हमने ऐसा देखा ही है।

समय के साथ परिस्थितियां बदलती हैं, तो तदनुसार समाधान भी खोजे जाते हैं। बचपन के दिन स्कूली किताबों में वर्णाश्रम की बात बहुत पढ़ी है, पर उसकी अब नई व्यवस्था आ गई है। जब पहिये का दौर आया तो साईकिल का ईजाद हुआ। शुरूआती दौर में जब साईकिल आई थी, तो आगे का पहिया बड़ा और पीछे का छोटा होता था। अब वे चीजें संग्रहालयों में ही दिखती हैं। कुदाली से जमीन खोद कर खेती करना किसी समय मुख्य काम होता था, अब ट्रैक्टरों से जुताई होती है। पत्थर या लकड़ी रगड़ कर अग्नि प्रज्वलन किया जाता था, अब तो माचिस दूर लाईटर से गैस चूल्हे जलने लगे हैं। विकास के क्रम में बदलाव सतत् जारी है, यह परिवर्तन का क्रम है जो कभी ठहर नहीं सकता। जो पुरानी प्रथाओं पर ही अड़ा रहेगा, उसे न केवल घाटा ही उठाना होगा बल्कि वह उपहास का पात्र भी बन जाता है।

मान्यताएं, विचारधाराएं, निर्धारण, क्रियाकलाप आदि भी समय के परिवर्तन से प्रभावित हुए बिना नहीं रहते। उनकी सर्वथा उपेक्षा नहीं की जा सकती। धर्मशास्त्र भी समय की मर्यादा में बंधे रहे हैं और प्रस्तुत बदलाव के आधार पर उनमें भी परिवर्तन होता रहा है। स्मृतियां, ग्रंथ आदि विभिन्न ऋषियों ने अपने अनुसार लिखे, पर देश, काल परिस्थिति के अनुसार उन्हें नये सिरे से लिखने की आवश्यकता महसूस की गई। उदाहरण के तौर पर रामायण को ही देख लें, हमारे अधिकतर घरों में रामचरित मानस देखने को मिल जाती है, लेकिन इसके पूर्व चुनींदा घरों में वाल्मिकी रामायण होती थी। रामायण को अनेक लेखकों ने अपने हिसाब से लिखा है, जिस शैली में रामलीला की जाती है खासकर राजस्थान में वह राधेश्याम रामायण से अधिक प्रेरित है, बल्कि रामचरित मानस की चौपाईयां जोड़कर रामलीला का अलग कथानक लेखकों ने अपने स्तर पर लिखा ही है। राम कथा पर बीस से अधिक पुस्तकें अलग-अलग लेखकों की हैं, तो उनकी विषय सामग्री में भी अंतर है, दक्षिणी भारत में जो रामकथा प्रचलित हैं, उसमें अनेक ऐसे तथ्य हैं, जो उत्तर भारत के विद्वानों द्वारा लिखित राम कथा में नहीं है। इसका कारण उन लेखकों में आपसी विवाद या विग्रह नहीं, बल्कि यह है कि बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए धर्म प्रचलन के स्वरूप में भी तदनुसार बदलाव किया गया।

जहां तक बात रहन-सहन की थी, प्रारंभिक युग में या तो जमीन में खड्डा खोद कर या गुफाओं में लोग रहते थे, बाद में कुटिया बनाना सीखा और सुविधाजनक लगा। फिर गोबर-माटी से कच्चे घर बनने लगे, इसके बाद चूने-पत्थर से और अब सीमेंट व लोहे से बनाये जाने लगे हैं। एक युग था जबकि गोबर व लकड़ी ही ईंधन के तौर पर काम आते थे, बाद में कोयला आया, फिर स्टोव आये, उसमें भी बहुत बदलाव हुए। अब गैस चूल्हा और इंडक्शन का युग चल रहा है। वाहन युग आया तो चलाने के लिए डीजल पेट्रोल आये, अब गैस और बिजली काम आ रही है, बल्कि सूरज की रोशनी से बनने वाली ऊर्जा भी बहुत जगह काम में लाई जाने लगी है। आवश्यकता के अनुरूप आविष्कार होते चले गये।

वस्तुत: समय पीछे नहीं लौटता, वह निरंतर आगे बढ़ता ही रहता है। परिवर्तन के साथ जुड़े हुए नये आयाम विकसित करने की आवश्यकता अब इतनी अनिवार्य हो गई है कि उसे अपनाने से कदाचित ही कोई इनकार करता हो। घड़ी का उपयोग करने से अब कौन ऐतराज करता है, हालांकि मोबाइल ने घड़ी को रिप्लेस कर दिया है, क्योंकि वह बहु उपयोगी यंत्र हो गया है।

समय हर किसी को बताता है कि समय के अनुरूप आवश्यकता देखी और पहचानी जाये और उसे अपनाने में आनाकानी न की जाये। किसी भी प्रथा को अपनी और पूर्वजों की प्रतिष्ठा का प्रश्न बनाने से बचना चाहिये। मनुष्य प्रगतिशील रहा है और रहेगा। वह सृष्टि के आदि काल से लेकर अनेक परिवर्तनों के बीच से गुजरता हुआ आज की स्थिति तक पहुंचा है। यह क्रम आगे भी बना रहेगा और चलता रहेगा। पुरातन के लिए हठवादी बने रहना किसी भी तरह से हितकारी नहीं हो सकता। युग धर्म को अपना कर ही मनुष्य आगे बढ़ा है।

समय का यही तकाजा है और इससे इनकार भी नहीं किया जा सकता। वरना एक युग था, लोग भोज पत्र पर लेखन करते थे, अकाउंट का काम बहियों में किया जाता था, अब रोकड़ बही खाता बही का युग कहां बचा। कंप्यूटर पर सॉफ्टवेयर ने लेखों को रिप्लेस कर दिया है, सारी बैलेंस शीट उसी में बन जाती है। वरना एक दौर था, रोकड़ बही, कच्ची रोकड़, पक्की रोकड़, नाम नकल बही, जमा नकल बही आदि आदि, इसके बाद अंग्रेजी लेखा प्रणाली आई, तो उसमें कैश बुक से शुरूआत होती थी, कच्चा पक्का आंकड़ा अर्थात ट्रायल बैलेंस बनती थी। अब तो सब सॉफ्टवेयर केंद्रित हो गया है। हालांकि कमियां इस सिस्टम में भी है, लेकिन आगे से आगे कुछ न कुछ नया चलता रहेगा। यही प्रकृति का नियम है।

मध्य भारत एग्रो प्रोडक्ट्स लिमिटेड

OSTWAL

पंजीकृत कार्यालय - विंग ए/1, प्रथम फ्लोर, ओस्तवाल हाइट्स, अर्बन फॉरेस्ट, आटून, भीलवाड़ा-311802 (राजस्थान) ,भारत

सीआईएन - L24121RJ1997PLC029126 फोन नं.- 01482-237104

वेबसाइट : www.mbapl.com ईमेल : secretarial@mbapl.com

30 जून 2026 को समाप्त तिमाही अनअंकेक्षित वित्तीय परिणाम

[Regulation 47(1) (b) of the SEBI (LODR) Regulations, 2015] (रु. लाखो में राशि)

क्र.सं	विवरण	समाप्त तिमाही			समाप्त वर्ष
		30.06.2026	31.03.2026	30.06.2025	31.03.2026
		अनअंकेक्षित	अंकेक्षित	अनअंकेक्षित	अंकेक्षित
1	परिचालन से कुल आय	42,174.81	40,385.73	41,272.43	188,383.04
2	शुद्ध लाभ / (हानि) (कर एव असाधारण मदों से पहले)	4,425.42	3,064.90	4,414.11	17,405.32
3	शुद्ध लाभ / (हानि) (कर से पहले एव असाधारण मदों के बाद)	4,425.42	3,064.90	4,414.11	17,405.32
4	शुद्ध लाभ / (हानि) (कर एव असाधारण मदों के बाद)	3,296.22	5,975.72	2,820.62	15,018.24
5	कुल व्यापक आय (कर एव अन्य व्यापक आय के बाद)	3,297.48	5,980.77	2,820.62	15,023.29
6	इक्विटी शेयर पूंजी	8,762.69	8,762.69	8,762.69	8,762.69
7	अन्य इक्विटी (रिजर्व)				46,207.27
8	आय प्रति शेयर (रुपये 2/- प्रति का) (सचालन जारी और बंद रखने के लिए) (वार्षिकीकृत नहीं)				
	1. Basic	0.75	1.36	0.64	3.43
	2. तरल	0.75	1.36	0.64	3.43

टिपण्णी :

1. 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए कंपनी के उपरोक्त अनअंकेक्षित वित्तीय परिणामों की लेखापरीक्षा समिति द्वारा समीक्षा की गई और 14 जुलाई 2026 को आयोजित बैठक में निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।
2. उपरोक्त वित्तीय परिणाम भारतीय लेखा मानकों ('इंडएस') के अनुसार तैयार किए गए हैं, जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 की धार 1 133 व सपठित इसके तहत जारी प्रासंगिक नियमों के अनुसार है।
3. उपरोक्त सेबी (लिस्टिंग और अन्य प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 के विनियमन 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंजों के साथ दायर 30 जून, 2026 को समाप्त तिमाही के लिए विस्तृत वित्तीय परिणामों का सार है। त्रैमासिक वित्तीय परिणाम का पूर्ण प्रारूप परिणाम स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट www.nseindia.com और कंपनी की वेबसाइट www.mbapl.com पर उपलब्ध है।

निदेशक मंडल के लिए और उनकी ओर से
हस्ताक्षरित /-
(सौरभ गुप्ता)
पूर्णकालिक निदेशक एवं सी.एफ.ओ.
DIN 07177647

स्थान- भीलवाडा
तिथि- 14 जुलाई, 2026